प्रो0 पीयूष रंजन अग्रवाल
कुलपति
Prof. Peeush Ranjan Agrawal
Vice-Chancellor

वीर बहादुर सिंह पूर्वाञ्चल विश्वविद्यालय
Veer Bahadur Singh Purvanchal University
जौनपुर/Jaunpur - 222003, U.P. INDIA
E-mail : vc_vbspuniversity@rediffmail.com
Tel. : (O) +91-5452-252222 (F) 252344
Mob : +91-9838177777

दिनांक : 06.09.2014

प्रसन्नता का विषय है कि रघुवीर महाविद्यालय, थलोई, जौनपुर द्वारा शैक्षिक शोध पत्रिका 'शोध–मार्तण्ड' का प्रकाशन किया जा रहा है।

तेजी से बदलते, मानवीय मूल्यों के परिवेश में युवा पीढ़ी को सार्थक दिशा और मार्गदर्शन प्रदान करने की नितांत आवश्यकता है। युवाशक्ति के चहुँमुखी शारीरिक, बौद्धिक, सामाजिक तथा आध्यात्मिक विकास कर उसे समाजोन्मुख बनाना ही हमारा मुख्य ध्येय है। प्रारम्भ में मात्र उपाधि अर्जन महत्वपूर्ण होगा परन्तु कालान्तर में, शैक्षणिक स्थायित्व के लिए विद्यार्थियों के व्यक्तित्व का सर्वांगीण विकास, उनके जीवन में शिक्षा के अतिरिक्त, अधिक लाभदायी हो सकेगा।

आशा है महाविद्यालय द्वारा प्रकाशित यह शोध पत्रिका 'शोध–मार्तण्ड' अपने उद्देश्यों में सफल रहेगी तथा विद्यार्थियों एवं शोधार्थियों का समुचित मार्गदर्शन करेगी।

डॉ0 विनय कुमार त्रिपाठी
सम्पादक
''शोध मार्तण्ड''
रघुवीर महाविद्यालय
रघुवीरनगर, थलोई,
जौनपुर

प्रो0 पीयूष रंजन अग्रवाल
कुलपति

सीमा द्विवेदी
विधायक
मुँगराबादशाहपुर, जौनपुर

निवास- ग्राम- अचकारी, पोस्ट- कुशमौल
जिला - जौनपुर
ख–5 № 231876
मो0- 9415607458, 9415380783

पत्रांक-

दिनांक 18/09/2014

मुझे यह जानकर अत्यधिक प्रसन्नता हो रही है कि रघुवीर महाविद्यालय रघुवीर नगर थलोई जौनपुर द्वारा अंतर्राष्ट्रीय शोध पत्रिका (शोध मार्तण्ड) का प्रकाशन किया जा रहा है। वस्तुतः शिक्षण संस्थानों द्वारा शोध– पत्रिका का प्रकाशन एक सराहनीय कार्य है। इससे शोधार्थियों के शोध विषयक अन्वेषणों एवं तथ्यों का सम्यक प्रकाशन सम्भव हो पाता है एवं तद्विषयक अन्वेषण एवं अनुसंधान की प्रवृत्ति उत्पन्न होती है।

वर्तमान परिदृश्य में उच्चकोटि के शोध कार्यों की आवश्यकता है। यदि शोधार्थी कुछ नया अन्वेषण करता भी है तो उनका प्रकाशन सम्भव नहीं हो पाता जिससे उन छात्र/छात्राओं के मन में निराशा का भाव उत्पन्न होता है। इस प्रयास हेतु महाविद्यालय परिवार को हमारा पूर्ण सहयोग है। शोध मार्तण्ड के सम्पादक डॉ0 विनय कुमार त्रिपाठी को उनके द्वारा किये जा रहे शैक्षिक कार्य के लिए धन्यवाद एवं आशीर्वाद देती हूँ कि इस प्रकार वे अपने कार्यों द्वारा राष्ट्र का विकास करें।

इन्हीं मंगलकामनाओं के साथ!

सीमा द्विवेदी
सीमा द्विवेदी
विधायक
मु० बादशाहपुर

सत्यमेव जयते

टेलिफैक्स/Telefax : 2200 5642

D. O. No.: _____

आयकर आयुक्त, १०-मुंबई
COMMISSIONER OF INCOME TAX, 10-MUMBAI
५१६, आयकर भवन, ५वीं मंजिल, महर्षि कर्वे मार्ग, मुंबई - 400 020.
516, Aayakar Bhavan, 5th Floor, M. K. Road, Mumbai - 400 020.

दिनांक/Date : 20.09.2014

व्यक्ति के अन्दर दो दिशाओं से प्रेरणा मिलती है। पहली आत्मा की ओर से, दूसरी मन की ओर से। आत्मा और मन में बहुत बड़ा अन्तर है। आत्मा हृदय को सही प्रेरणा देती है और मन चंचलता से, क्षणिक क्रम से इधर उधर व्यक्ति को भटकाता है इसलिए शोधार्थी अपनी आत्मा की आवाज को सुनें और सत्य तथ्यों का अनुसन्धान करें। मन अनेक वाह्य अक्रियात्मक कार्यो में दौड़ेगा लेकिन उस पर संयमन करते हुए शोधार्थी अपने शोध कार्य को उच्चता प्रदान करें। यही उनका परम लक्ष्य है।

अक्सर मनुष्य कार्य करता है तो वह उसकी सफलता में अपने मन के अनुरूप स्वयं को ही उस सफलता का अधिकारी मानकर यह कहता है कि यह कार्य मैंने किया। यह ''मैं'' ही उसका अंहकार है उसके मन की आवाज है। वस्तुतः किसी कार्य को सम्पादित करने में अनेक व्यक्तियों एवं कारणों के माध्यम से सफलता प्राप्त होती है। मनुष्य के लिए यह आवश्यक है कि वह किसी भी सफलता में यह अनुभूति करें कि इस सफलता में अनेक लोगों का सहयोग हुआ है। तभी यह कार्य सम्भव हो सका। इसी से मनुष्य का सर्वागीण विकास सम्भव हो पायेगा। यही आत्मा की आवाज भी है।

रघुवीर महाविद्यालय द्वारा इन्टरनेशनल जर्नल 'शोध मार्तण्ड' का प्रकाशन हो रहा है। यह अत्यन्त प्रसन्नता का विषय है। प्रो0 रामसेवक दुबे 'प्रधान सम्पादक' एवं डॉ0 विनय कुमार त्रिपाठी 'सम्पादक' को इस सार्थक एवं ज्ञानवर्धक प्रयास के लिए साधुवाद देता हूँ एवं शुभकामना प्रेषित करता हूँ तथा ईश्वर से प्रार्थना करता हूँ कि यह मार्तण्ड व्यापक स्तर पर शिक्षकों ,शोधकर्ताओं, विद्यार्थियों एवं सुबुद्ध जनों के मानस पटल को प्रकाशित करेगा।

इन्हीं शुभकामनाओं के साथ!

गौरी शंकर सिंह
आयकर आयुक्त
मुम्बई

Prof. Hari Narayan Dubey,
Ancient History Department
University of Allahabad,
Allahabad U.P.

Ref.

Dated : 05/08/2014

मुझे यह जानकर बड़ी प्रसन्नता है कि डॉ0 विनय कुमार त्रिपाठी 'शोधमार्तण्ड' नाम से एक उच्चस्तरीय शोध पत्रिका प्रकाशित करने जा रहे हैं। इस त्रिभाषिक पत्रिका के माध्यम से हिन्दी, संस्कृत एवं अंग्रेजी भाषाओं में लिखे जा रहे अभिनव विचारों तथा तथ्यों से युक्त शोध लेख प्रकाश में आयेंगे। डॉ0 त्रिपाठी स्वयं विद्वान् तथा विद्या के प्रति समर्पित आचार्य हैं, अतः उनके द्वारा सम्पादित पत्रिका का स्तर न केवल उत्तम होगा बल्कि श्रेष्ठ से श्रेष्ठ शोध आलेख प्रकाश में आ सकेंगे। अध्ययन, चिन्तन, मनन तथा गवेषण सारस्वत यज्ञ–कर्म है। इसी से ज्ञान का सतत् स्वस्थ प्रवाह संचालित होता है। पत्रिका में प्रकाशित होने वाले लेख हमारी जिज्ञासा को शान्त करने के साथ ही शोध के क्षेत्र में नवीन तथ्यों एवं चिन्तनों को प्रकाश में लाने का कार्य करते हैं।

वस्तुतः स्तरीय शोध पत्रिका का प्रकाशन एक पवित्र सारस्वत कर्म है, जिससे जिज्ञासु पाठक के साथ–साथ युवा अनिसंधित्सु ज्ञानवान् बनते हैं तथा लेखन के प्रगति प्रोत्साहित होते हैं।

मैं डॉ0 विनय कुमार त्रिपाठी जी के इस सार्थक प्रयास तथा ज्ञानवर्द्धक शोध–पत्रिका के प्रकाशन के लिए अपनी शुभकामना प्रेषित करता हूँ।

10/10/2014

(प्रो0 हरि नारायण दुबे)

प्राचीन इतिहास, संस्कृति एवं पुरातत्व विभाग,
इलाहाबाद विश्वविद्यालय
इलाहाबाद

Prof. S P Gupta
Director, School of Education
And
In-charge, Academic Cell
U P Rajarshi Tandon Open
University,
Shantipuram Sector-F Phaphamau
Allahabad - 211013
Phone: 0532-2447896, 2447897

Ref.

Dated : 05/08/2014

किसी भी समाज और राष्ट्र की प्रगति के लिए शैक्षिक पत्रिकाओं द्वारा वैचारिक मंथन हेतु शोध कर्ताओं और लेखकों के विचार को संकलित और प्रकाशित करना अत्यन्त उपयोगी होता है। समाज की आशाओं और आकांक्षाओं को शैक्षिक रचनाओं के आलोक में प्रकाशन का उद्देश्य बहुजन हिताय होता है। शिक्षा के परिपेक्ष्य में कतिपय ऐसे प्रश्न उभरते हैं जिनके उत्तर भी प्राप्ति की अपेक्षा उच्चस्तरीय शैक्षिक पत्रिकाओं से भी की जा सकती है। शैक्षिक जगत की ज्वलन्त समस्याओं के निराकरण के पहल की मूलक भी शोध पत्रिकाओं में दृष्टिगत हो जाती है। कहने की आवश्यकता नहीं है कि शोध–मार्तण्ड शोध–पत्रिका इस दिशा में सराहनीय प्रयास कर सकेगी। इस अवसर पर मुझे सम्पादक मण्डल को बधाई देते हुए अपार हर्ष हो रहा है।

हम सभी जानते हैं कि राष्ट्र के विकास और समृद्धि के लिए सबसे आवश्यक तत्व 'शिक्षा' है। भारत 2020 तक विकसित राष्ट्र बनने की प्रक्रिया में है, परन्तु अभी भी विडम्बना यह है कि देश के लाखों बच्चों को साक्षर बनाने की जरुरत है और ऐसे बहुत से युवा हैं जिन्हें वैश्विक प्रतिस्पर्धा के अनुकूल रोजगारयोग्य कौशल अर्जित करने की आवश्यता है। इस संकल्प को पूरा करने में राज्य और केन्द्र सरकारों के अतिरिक्त शैक्षिक पत्रिकाओं में भी प्रयास का विशिष्ट योगदान होना है। शैक्षिक गुणवत्ता के सुनिश्चियन में भी शेक्षिक पत्रिकाओं की महती भूमिका होती है। गुणवत्ता शिक्षा द्वारा ही देश के भविष्य को सुरक्षित किया जा सकता है।

विश्व के अन्य देशों के साथ भारत कदम मिलाकर चल सके इस परिप्रेक्ष्य में पूर्वांचल विश्वविद्यालय द्वारा 'शोध–मार्तण्ड' नामक अन्तर्राष्ट्रीय शैक्षिक पत्रिका का प्रकाशन शैक्षिक गतिविधियों को नवीन आयाम देकर ऊँचाईयों तक पहुँचाने का नूतन प्रयास है। जिसके लिए मैं उनकी भूरि–भूरि प्रशंसा करता हूँ। मुझे पूर्ण विश्वास है कि यह शोध–पत्रिका शिक्षकों, शोधकर्ताओं, विद्यार्थियों तथा अन्य सभी, जो इस क्षेत्र से जुड़े हैं, उनका मार्गदर्शन करने में सक्षम होगी। मुझे आशा है कि प्रस्तुत शोध पत्रिका अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर भारत के शैक्षिक गौरव को अक्षुण करने में भी सहायक होगी। मैं अन्तर्राष्ट्रीय शोध पत्रिका 'शोध–मार्तण्ड' के सफल प्रकायशन के लिए डॉ0 विनय कुमार त्रिपाठी जी को अपनी शुभकामनाएँ प्रेषित करता हूँ।

भवदीय

एस0 पी0 गुप्ता

VISVA-BHARTI
A Central University and an Institution Of National Importance

प्रो० हरिश्चन्द्र मिश्रा
हिन्दी भवन
विश्व भारती शान्ति निकेतन
पश्चिम बंगाल

पत्रांक :..............

दिनांक : 15.07.2014

शुभकामना संदेश

डॉ0 विनय कुमार त्रिपाठी के सम्पादन में शोध–मार्तण्ड प्रकाशित होने जा रहा है। इस भानूदय की सूचना से मन आह्लादित हुआ। इस प्रकार का कार्य निश्चय ही रचनात्मक कार्य है। इस प्रकार का कार्य रचनात्मक कार्य है। डॉ0 त्रिपाठी जी रचनात्मक कार्य करने जा रहे हैं यह एक बड़ी आशा जनक स्थिति है। व्यापक स्तर पर विद्या का विनिमय होगा। मेरी शुभ कामना है कि यह उदित होने वाला मार्तण्ड तेजस्वी, व्यापक एवं सार्वजनीन हो।

प्रो0 हरिश्चन्द मिश्रा
हिन्दी भवन
विश्व भारती शांति निकेतन
पश्चिम–बंगाल

Prof. Y. C. Dubey
Dean
Faculty of Art

Jagadguru Rambhadracharya Handicapped University, Chitrakoot , UP-210204

Phone: 05198-224690 Fax: 05198-224293 E-mail: jrhuniversity@yahoo.com

पत्रांक :JRHU दिनांकः 26.09.2014

'सिराजे हिन्द' जौनपुर की विद्वत्प्रसू माटी, एक ओर नवोन्मेषशालिनी प्रतिभाओं की उर्वरा शक्ति से ओत–प्रोत रही है, तो दूसरी ओर इन्हीं प्रतिभाओं के द्वारा उद्भूत गवेषणात्मक विचारों, भावों एवं परिकल्पनाओं से समाज, राष्ट्र किंवा, वैश्विक परिदृश्य भी निरन्तर आलोकित एवं चमत्कृत होता आ रहा है। संभवतः इसी भावभूमि के ध्वजवाही रूप में 'शोध मार्तण्ड' (षाण्मासिक) अन्तर्राष्ट्रीय शोध पत्रिका का प्रकाशन किया जा रहा है, जो मेरे लिए अत्यन्त हार्दिक प्रसन्नता के साथ गौरवास्पद भी है।

'शोध मार्तण्ड' अनुसन्धियों, शोधार्थियों एवं गवेषकों के नित–नमतन विचारों, भावों तथा परिकल्पनाओं के सम्यक प्रचार–प्रसार एवं प्रकाशन में महती भूमिका का निर्वहण करेगा, ऐसी मैं आशा, अभिलाषा एवं शुभानुसंशा करता हूँ।

शुभास्ते पन्थानः।।

प्रो0 योगेशचन्द्र दुबे

प्रति,
डॉ0 विनय त्रिपाठी
सम्पादक 'शोध मार्तण्ड'
मछलीशहर, जौनपुर (उ0प्र0)

हिन्दी एवं आधुनिक भारतीय भाषा विभाग
इलाहाबाद विश्वविद्यालय, इलाहाबाद

DEPARTMENT OF HINDI & MODERN INDIAN LANGUAGES
UNIVERSITY OF ALLAHABAD, ALLAHABAD – 211002

शुभकामनाएँ

यह जानकर प्रसन्नता हुई कि रघुवीर महाविद्यालय, थलोई, जौनपुर 'शोध–मार्तण्ड' नाम से एक शोध पत्रिका प्रकाशित करने जा रहा है। आशा है कि 'शोध मार्तण्ड' उच्च शोध मानक के अनुरूप प्रकाशित होगी और सुधी पाठकों में लोकप्रिय होगी।

शुभकामनाओं सहित !

भवदीय
प्रो0 मुस्ताक़ अली
अध्यक्ष, हिन्दी विभाग
इलाहाबाद विश्वविद्यालय
इलाहाबाद

प्रति,
डॉ0 विनय कुमार त्रिपाठी
संपादक, 'शोध मार्तण्ड'
रघुवीर महाविद्यालय, थलोई
जौनपुर

RAGHUVEER MAHAVIDYALAYA

Raghuveer Nagar, Thaloi
Jaunpur (U.P.) - 222143

MANAGER
Dr. Jay Prakash Tiwari
E-mail : prakashtiwarijay@gmail.com
Mobile : 9451012040, 8009623139

ADDRESS
Vill : Dahenv
Post : Balwargajanganj
Dist.: Jaunpur (U.P.)-222201

Ref. No. :

Date : 02/08/2014

ग्रामांचल में स्थित रघुवीर महाविद्यालय के सौजन्य से अन्तर्राष्ट्रीय शोधपत्रिका ''शोध मार्तण्ड'' का प्रकाशन विद्वत् मण्डल के सुझाओं के अनुरूप एवं सम्पादक मण्डल के अथक परिश्रम के परिणाम स्वरूप आज मूर्तरूप ले रहा है। इस सम्बन्ध में मैं अपना उद्गार व्यक्त करने का लोभ सम्वरण नहीं कर पा रहा हूँ। प्रथम तो यह कि यह ग्रामांचल जो उच्च शिक्षा के क्षेत्र में अपने लक्ष्य को प्राप्त नहीं कर पा रहा था। उस समस्या की पूर्ति हेतु महाविद्यालय की स्थापना सन् 2008 में हुई और अब इस क्षेत्र में उच्च शिक्षा का प्रसार–प्रचार इसके माध्यम से ही हो रहा है। दूसरा यह कि इस क्षेत्र में और इसके आस –पास नगरों में अनेक शोधार्थी अपने शोध पत्रों को प्रकाशित कराने हेतु बड़े–बड़े नगरों में जाते हैं। जहाँ उनका श्रम, अर्थ, समय एवं इससे सम्बन्धित अन्य प्रकार की समस्याओं का सामना करना पड़ता है। शोध क्षेत्र की गुणवत्ता को बनाये रखने के लिए विश्वविद्यालय अनुदान आयोग नई दिल्ली द्वारा अनेक शोध सम्बन्धी निर्देशों का कियान्वयन किया गया है। इसी क्रम में शोध कार्य में शोध पत्रों का प्रकाशन भी अनिवार्य कर दिया गया है। इस कार्य में शोधार्थियों को अपनी अन्वेषण शक्ति एवं सत्य तथ्यों को उद्घाटित करने की महती आवश्यकता है। इसी को ध्यान में रखते हुए, शोध कार्य को बढ़ावा देने एवं शोध की गुणवत्ता को बनाये रखने के लिए शोध मार्तण्ड का प्रकाशन किया गया है।

इस पत्रिका के प्रकाशन में प्रो0 रामसेवक दुबे 'प्रधान सम्पादक' एवं पूर्णरूप से समर्पित सम्पादक डॉ0 विनय कुमार त्रिपाठी को आशीर्वाद देता हूँ तथा सम्पूर्ण सम्पादक मण्डल के प्रति अपना स्नेह प्रकट करता हूँ और उनसे यह आशा रखता हूँ कि यह पत्रिका जिस उद्देश्य से प्रकाशित हुई है वह अनवरत अपने लक्ष्य की पूर्ति करती रहे। जिससे शोधार्थियों को अन्यत्र भटकना न पड़े और वे अपने शोध कार्य में लगे रहें। इन्हीं शुभकामनाओं के साथ भगवान् भूतभावन से प्रार्थना है कि जिस तरह से सूर्य आकाश में चमकता हुआ सम्पूर्ण विश्व को प्रकाशवान् बनाता है उसी तरह ही यह मार्तण्ड भी शोधार्थियों के जीवन में प्रकाश एवं नव ऊर्जा प्रदान करें।

।।इति शुभम्।।

डॉ0 जय प्रकाश तिवारी
प्रबन्धक
रघुवीर महाविद्यालय
रघुवीर नगर, थलोई, जौनपुर

'Shod Martand', Vol. - 1, July - December - 2014

रघुवीर महाविद्यालय

थलोई भिखारीपुर कलाँ-जौनपुर

डॉ अवधेश कुमार श्रीवास्तव (प्राचार्य)
PRINCIPAL Raghuveer@gmail.com   WWW.Raghuveermahavidyalay.org

पत्रांक :   दिनांक 01-10-2014........

शुभकामना संदेश

अपार हर्ष का विषय है कि रघुवीर महाविद्यालय रघुवीर नगर, थलोई, जौनपुर की अर्द्धवार्षिक शोध पत्रिका ''शोध–मार्तण्ड'' का प्रथम अंक अपनी दिव्याभा प्रकीर्णित करते हुए प्रकाशित हो रहा है। परम पूज्य रघुवीर के आशिर्वाद स्वरुप यह पत्रिका महाविद्यालय सृष्टि का तेज–पुंज है। इस पत्रिका के प्रकाशित अंक से शोध छात्र/छात्राओं और अन्य सुधीजनों को जहाँ शिक्षा जगत् के विभिन्न आयाम से परिचित होने का अवसर सुलभ होगा, वही जीविकोपार्जन के क्षेत्र में भी विकास होगा।

यह महाविद्यालय पं0 पृथ्वीपाल तिवारी जी की परिकल्पना है। चरित्र–निर्माण एवं उच्चादर्श संस्थापन की प्रयोगशाला है। शिक्षा जगत् में एक पृथक् पहचान रखने का विनम्र प्रयास है।

महाविद्यालय के विकास में प्रबन्धक डॉ0 जय प्रकाश तिवारी जी के अन्यान्य सहयोग से शिक्षा जगत् अवश्य ही ज्योतिर्मय होगा। ऐसा मेरा विश्वास है। पत्रिका का प्रत्यक्ष उपदेश तथा अप्रत्यक्ष प्रकाश पुन्ज इस क्षेत्र को निश्चय ही प्रकाशित करेगा।

इस पत्रिका ''शोध–पत्रिका'' के प्रधान सम्पादक प्रो0 रामसेवक दुबे (संस्कृत विभाग) इलाहाबाद विश्वविद्यालय इलाहाबाद का स्नेहिल सानिध्य एवं मार्गदर्शन निरन्तर सुलभ रहता है। आपके प्रति कृतज्ञता व्यक्त करना मेरा नैतिक दायित्व ही नहीं अपितु धर्म भी है।

पत्रिका के उपसम्पादक डॉ0 राजेश कुमार तिवारी (असिस्टेंट रजिस्टार) नेहरू ग्राम भारती डीम्ड विश्वविद्यालय इलाहाबाद को धन्यवाद देना चाहता हूँ क्योंकि आपके सहयोग एवं प्रयास से ही इस पत्रिका को नूतन कलेवर प्राप्त हो सका है।

'शोध–मार्तण्ड' के उपसम्पादक श्री सन्तोष कुमार उपाध्याय एवं डॉ0 विजय कुमार सिंह के प्रति आभार व्यक्त करता हूँ जिनके कारण यह पत्रिका पल्लवित एवं पुष्पित हो रही है।

इस पत्रिका 'शोध–मार्तण्ड' के सम्पादक डॉ0 विनय कुमार त्रिपाठी का अनवरत परिश्रम एवं निष्ठा साक्षात् नव्य कलेवर में प्रकाशित हो रहा है, जिसके लिए मेरी शुभानुशंसाएँ समर्पित हैं।

डॉ0 अवधेश कुमार श्रीवास्तव
प्राचार्य